राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में किए जा रहे विशिष्ट प्रयासोंका विवरण

राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण नदियों के अंतर्योजन द्वारा देश में जल संसाधनों के विकास के लिए प्रतिबद्धएकमात्र संगठन है । जिस प्रकार नदियों को जोड़ कर हम देश को एकजुट करना चाहते हैं उसी प्रकार से हिन्दी का प्रयोग हम पूरी निष्ठा और संवैधानिक नियमों-उपनियमों के अनुसार कर रहे हैं । भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा के संबंध में जारी सभी आदेशों और निदेशों का पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है । जल शक्ति मंत्रालय, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग से प्राप्त सभी परिपत्र और आदेशों का राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण मुख्यालय एवं इसके अधीनस्थ क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा पूरी तरह से अनुपालित किया जाता है । राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण में हिन्दी संबंधी निम्नलिखित गतिविधियां सक्रिय रूप से जारी हैं ।

नामपट्ट एवं पट्टिकाएं:
राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण में सभी नामपट्ट एवं पट्टिकाएं द्विभाषी हैं ।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक:
रा.ज.वि.अ. में राजभाषा कार्यान्वयन समिति महानिदेशक की अध्यक्षता में गठित है और प्रत्येक तिमाही में इसकी बैठक सुनिश्चित की जाती है जिसमें हिन्दी की प्रगति से संबंधित मदों के अलावा तिमाही रिपोर्ट एवं कार्यालय में हिन्दी का कामकाज बढ़ाने पर गहन चर्चा की जाती है ।

हिन्दी कार्यशालाएं:
रा.ज.वि.अ. में राजभाषा हिन्दी और तकनीकी विषयों पर नियमित रूप से कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं ।

हिन्दी पखवाड़ाः
रा.ज.वि.अ. में प्रत्येक वर्ष 1 सितम्बर से 15 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया जाता है जिसमें हिन्दी दिवस के अवसर पर महानिदेशक की अपील जारी की जाती है और राजभाषा हिन्दी की प्रगति की समीक्षा की जाती है । रा.ज.वि.अ. में आयोजित प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि 4000,3500, 3000, के प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कारों के अलावा 1250-1250 रूपये के दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी है ।

हिन्दी पुस्तकों की खरीद:

रा.ज.वि.अ. में स्थानाभाव के कारण अलग से पुस्तकालय नहीं है फिर भी प्रत्येक वर्ष हिन्दी पुस्तकों का क्रय किया जाता है ।

प्रोत्साहन योजनाएं:

रा.ज.वि.अ. में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही दो प्रोत्साहन योजनाओं टिप्पण आलेखन तथा श्रुतलेखन के अलावा चार अन्य प्रोत्साहन योजनाएं भी चलाई जा रही हैं नामतः तकनीकी लेख प्रोत्साहन योजना, जटिल मामलों पर टिप्पण-आलेखन प्रोत्साहन योजना, प्रारूपकारों हेतु प्रोत्साहन योजना और रा.ज.वि.अ. पदाधिकारियों के बच्चों हेतु प्रोत्साहन योजना तथा क्षेत्रीय कार्यालयों हेतु राजभाषा वैजयंती योजना ।

पत्राचार एवं टिप्पण:

रा.ज.वि.अ. में वर्ष 2019-20 की चारों तिमाहियों में हिन्दी में पत्राचार का प्रतिशत एक समान 97 प्रतिशत रहा । कुल टिप्पण में से लगभग 85 प्रतिशत टिप्पणियां हिन्दी में लिखी गईं और उच्चाधिकारी भी स्वयं हिन्दी में टिप्पण लिखते हैं ।

धारा 3(3) **का अनुपालन:**

रा.ज.वि.अ. में राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) का पूरी तरह से अनुपालन किया जाता है । सभी सामान्य आदेश, परिपत्र, निविदा आमंत्रण सूचनाएं तथा टेंडर आदि द्विभाषी रूप में ही जारी किए जाते हैं ।

रा.ज.वि.अ. की वैबसाइटः

रा.ज.वि.अ. की वैबसाइट द्विभाषी बनाई गई है । इसमें रा.ज.वि.अ. से संबंधित सूचनाओं के अलावा संभाव्यता रिपोर्टों के कार्यकारी सारांश भी उपलब्ध कराए गए हैं ।

कार्यालयों को अधिसूचित करना:

रा.ज.वि.अ. मुख्यालय वर्ष 1991 से नियम 10(4)के अंतर्गत अधिसूचित है । रा.ज.वि.अ. के कुल 23अधीनस्थ कार्यालयों में से 15 कार्यालय अधिसूचित हैं ।

केवल हिन्दी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्टः

रा.ज.वि.अ. में सामान्य अनुभाग को पूर्णतः हिन्दी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है तथा प्रशासन एवं लेखा अनुभागों में भी अधिकांश मदों को हिन्दी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है । नियम 8(4)के अंतर्गत हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त कर्मचारियों को भी हिन्दी में कार्य करने के लिए विनिर्दिष्ट किया गया है ।

क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण :

रा.ज.वि.अ. द्वारा प्रत्येक वर्ष क्षेत्रीय कार्यालयों के निरीक्षण सुनिश्चित किए जाते हैं ।

पत्रिका:

रा.ज.वि.अ. में जल विकास पत्रिका प्रकाशित की जाती है जिसमें तकनीकी साहित्यिक लेख, कविताएं तथा रा.ज.वि.अ. से संबंधित सामग्री हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित की जाती हैं । अक्तूबर अंक "राजभाषा विशेषांक" के रूप में प्रकाशित किया जाता है जिसमें पुरस्कार प्राप्त पदाधिकारियों के नाम भी प्रकाशित किए जाते हैं ।

प्रशिक्षणः

रा.ज.वि.अ. में हिन्दी, आशुलिपि, टंकण के प्रशिक्षण पूर्ण हो चुके हैं । 4 एम.टी.एस. को भी कम्प्यूटर पर हिन्दी में काम करने के प्रशिक्षण भी दिलवाए गए हैं ।

तकनीकी संगोष्ठी :

अब तक रा.ज.वि.अ. में छः तकनीकी संगोष्ठियों का आयोजन किया गया है जो निम्नानुसार हैं :

- प्रथम तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 23 जून, 2006 को बंगलौर में "जीवन के लिए जल" विषय पर किया गया ।
- द्वितीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 27 अक्तूबर, 2009 को हैदराबाद में "वर्ष 2050 तक विश्व में जल की स्थिति : कारण और निवारण"विषय पर किया गया ।
- तृतीय तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 03 मई, 2012 को लखनऊ "नदियोंके अन्तर्योजन द्वारा उपयोग योग्य जल संसाधनों में वृद्धि" विषय पर किया गया ।
- चतुर्थ तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 18 सितम्बर, 2015 को भुवनेश्वर में "नदियों का अन्तर्योजन भविष्य में जल विकास के लिए अनिवार्य"विषय पर किया गया ।
- पांचवी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 20-21 अप्रैल, 2017 को वडोदरा में "नदी जोड़ परियोजना-सतत विकास के लिए जल आवश्यकताओं की पूर्ति" विषय पर किया गया ।
- छठी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 14 जून, 2019 को हैदराबाद में''जल संसाधन के ईष्टतम उपयोग में प्रबंधन की भूमिका'' विषय पर किया गया ।

नराकास की गतिविधियां :

रा.ज.वि.अ. नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों और गतिविधियों में भाग लेना सुनिश्चित करता है ।

राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में प्राप्त पुरस्कार :

1. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 1997-98 के लिए रा.ज.वि.अ. को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया ।
2. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 1998-99 के लिए रा.ज.वि.अ. को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया ।
3. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय ने वर्ष 1998-99 के लिए रा.ज.वि.अ. को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानितकिया ।
4. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय ने वर्ष 1999-2000 के लिए रा.ज.वि.अ. को प्रथम पुरस्कार से सम्मानितकिया ।
5. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 2002-03 के लिए रा.ज.वि.अ. को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया ।
6. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 2003-04 के लिए रा.ज.वि.अ. को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया ।
7. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र ने वर्ष 2006-07 के लिए रा.ज.वि.अ. को राजभाषा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया ।
8. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 2007-08 हेतु रा.ज.वि.अ. को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया ।
9. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र ने वर्ष 2008-09 के लिए हिन्दी अधिकारी, रा.ज.वि.अ. को राजभाषा मनीषी पुरस्कार से सम्मानित किया ।
10. राजभाषा संस्थान ने वर्ष 2010-11 के लिए रा.ज.वि.अ. को कार्यालय दीप स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया।
11. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र ने वर्ष 2011-12 के रा.ज.वि.अ. को राजभाषा मणि पुरस्कार से सम्मानित किया ।
12. जल संसाधन मंत्रालय ने वर्ष 2009-10 के लिए रा.ज.वि.अ. को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया ।
13. राजभाषा संस्थान द्वारा वर्ष 2013-14 के लिए कार्यालय दीप स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया ।
14. क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय उत्तर-Iद्वारा वर्ष 2012-13 में राजभाषा के उत्कृष्टकार्यान्वयन के लिए रा.ज.वि.अ. को प्रथम पुरस्कार से चण्डीगढ़ में सम्मानित किया है ।

15. भारत के महामहिमराष्ट्रपति, श्री प्रणव मुखर्जी नेराजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा रा.ज.वि.अ. को वर्ष 2014-15 के लिए प्रथम पुरस्कार"राजभाषा कीर्ति" से सम्मानित किया ।
16. माननीय गृह मंत्री, श्री अमित शाह द्वारा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वर्ष 2018-19 के लिए द्वितीय पुरस्कार "राजभाषा कीर्ति"से रा.ज.वि.अ. को सम्मानित किया।
17. भारतीय भाषा एवं संस्कृति केन्द्र नई दिल्ली द्वारा 27 से 29 अप्रैल, **2022** को लोनावाला, महाराष्ट्र में आयोजित तीन दिवसीय कार्याशाला एवं राजभाषा प्रशिक्षण के दौरान राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण को "राजभाषा दिगंत"पुरस्कार प्रदान किया।